प्राप्तकर्ता

प्रदानकर्ता

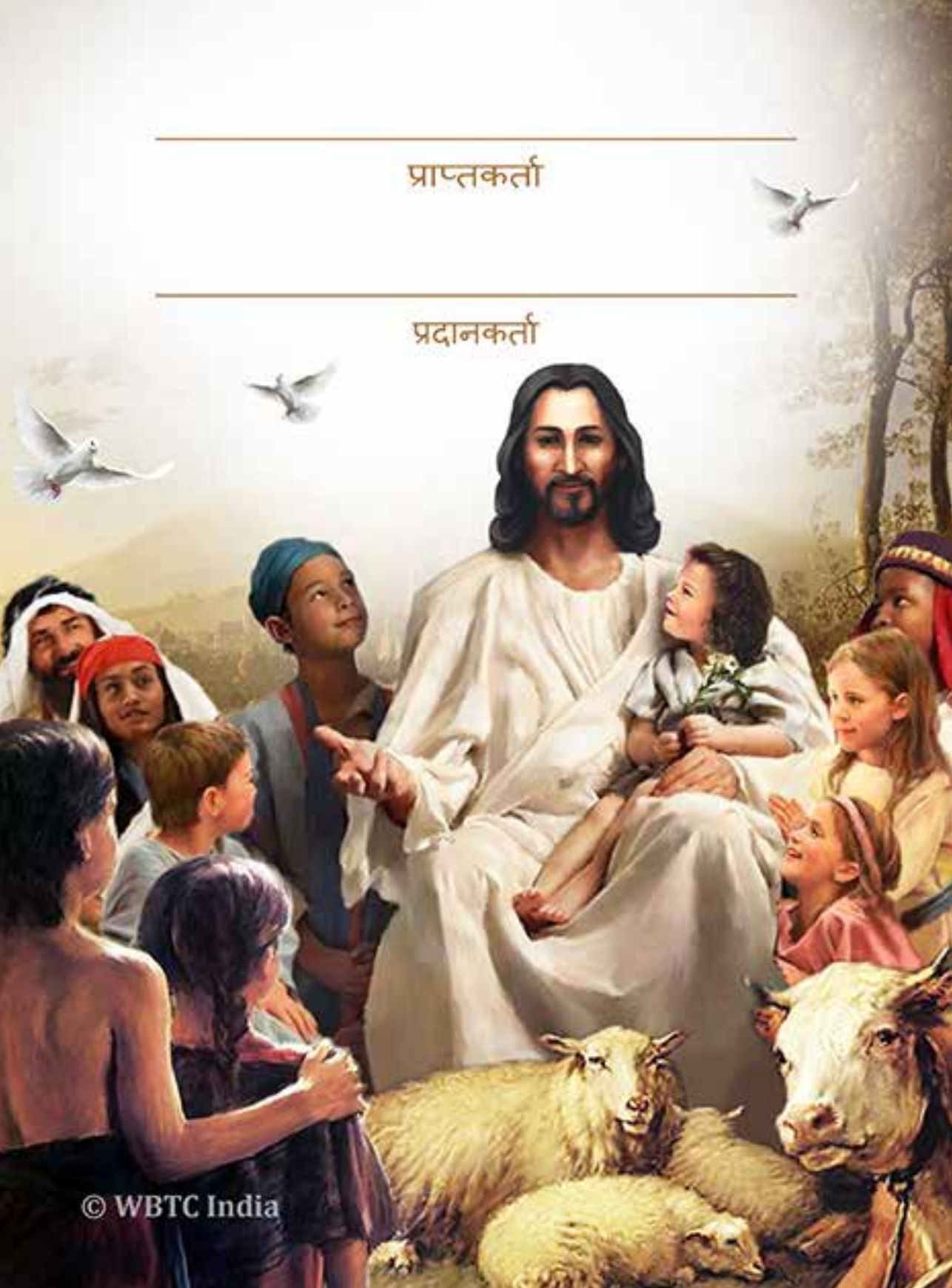

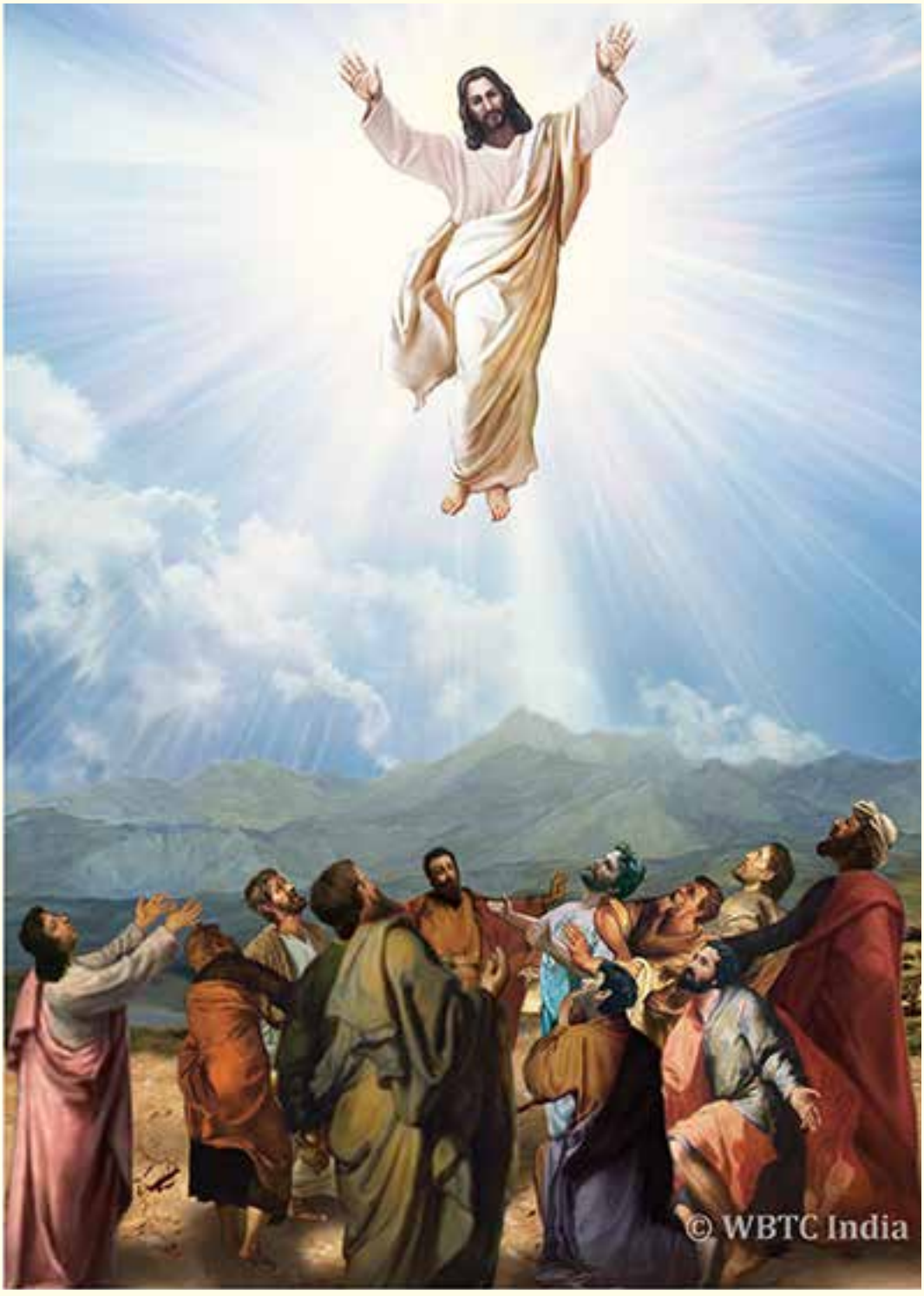
© WBTC India

सचित्र नया नियम

WBTC-India

WORLD BIBLE TRANSLATION CENTER-INDIA
P.O. Box 8478, Bangalore 560 084. Tel: +91-80-2560 3212 / 2560 3461
Email: info@wbtcindia.com; Web: www.wbtcindia.com

Sachitra Naya Niyam
Illustrated Hindi New Testament: Easy-to-Read Version

Revised Complete Hindi New Testament Text:
© Copyright 1992, 1995, 2013, 2019 World Bible Translation Center-India.
All rights reserved.

Bible Places' Pictures:
© Copyright BiblePlaces.com. All rights reserved. (Used with Permission).

Illustrations:
© Copyright 2019 World Bible Translation Center-India. All rights reserved.

Permissions
This copyrighted material may be quoted up to 1000 verses without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. This copyright notice must appear on the title or copyright page:

> Illustrated Hindi New Testament: Easy-to-Read Version
> Taken from the ILLUSTRATED HINDI NEW TESTAMENT: EASY-TO-READ VERSION (REVISED) © 2019 by World Bible Translation Center-India and used by permission.

When quotations from the ERV are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials (ERV) must appear at the end of each quotation.

Requests for permission to use quotations or reprints in excess of 1000 verses or more than 50% of the work in which they are quoted, or other permission requests, must be directed to and approved in writing by World Bible Translation Center, India.

Address
World Bible Translation Center-India
P.O. Box 8478
Bangalore 560 084.
Email: info@wbtcindia.com
Web: www.wbtcindia.com

For Free downloads, visit: www.wbtcindia.com

Printed at Brilliant Printers Pvt. Ltd., Bengaluru

नया नियम की पुस्तकों की सुचीपत्र

पुस्तकों के नाम	अध्याय	पद	पृष्ट
मत्ती रचित सुसमाचार	28	1071	1
मरकुस रचित सुसमाचार	16	678	63
लूका रचित सुसमाचार	24	1151	99
यूहन्ना रचित सुसमाचार	21	859	162
प्रेरितों के काम	28	1007	205
रोमियों की पत्री	16	433	275
कुरिन्थियों के नाम पहली पत्री	16	437	295
कुरिन्थियों के नाम दुसरी पत्री	13	257	314
गलातियों की पत्री	6	149	327
इफिसियों की पत्री	6	155	334
फिलिप्पियों की पत्री	4	104	342
कुलुस्सियों की पत्री	4	95	347
थिस्सलुनीकियों के नाम पहिली पत्री	5	89	352
थिस्सलुनीकियों के नाम दूसरी पत्री	3	47	357
तीमुथियुस की पहिली पत्री	6	113	360
तीमुथियुस की दूसरी पत्री	4	83	366
तीतुस की पत्री	3	46	370
फिलेमोन की पत्री	1	25	373
इब्रानियों के नाम पत्री	13	303	375
याकूब की पत्री	5	108	390
पतरस की पहिली पत्री	5	105	395
पतरस की दूसरी पत्री	3	61	401
यूहन्ना की पहिली पत्री	5	105	404
यूहन्ना की दूसरी पत्री	1	13	409
यूहन्ना की तीसरी पत्री	1	15	410
यदूहा की पत्री	1	25	411
प्रकासित वाक्य	22	405	413

प्रस्तावना

नया नियम के इस रुपान्तर को विशेष रुप से साधारण लोगों, बच्चों, तथा उन लोगों के लिये जिन्होंने हाल ही में पढ़ना-लिखना शुरु किया है, उन लोगों के लिए तैयार किया गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए अनुवादकों का यह प्रयास रहा है कि वे सरल शब्दों तथा छोटे-छोटे वाक्यों का ही प्रयोग करे।

इस रुपान्तर का मार्गदर्शन, उत्तम अनुवाद उत्तम संचार की धारणा ने किया है। अनुवादकों ने इस का विशेष ध्यान रखा है कि वह पाठकों के सामने बाइबल के लेखकों का सन्देश उसी स्वाभाविकता तथा वास्तविकता से प्रस्तुत करे जैसा की मूल भाषा में पुराने समय के लोगों के सामने पेश किया गया था। (एक विश्वसनीय अनुवाद का अर्थ केवल मूल भाषा के शब्दों को शब्दकोष से मिलना ही नहीं बल्कि वह तो एक ऐसी प्रकिया है जिस के द्वारा मूल सन्देश इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि न केवल उस का अर्थ ही संप्रेषित हो, बल्कि वह सुनने में भी उतना ही सही तथा उसी प्रकार आकर्षक हो और प्रभाव भी वैसा ही हो जैसा हजारों वर्ष पूर्व अनुभव किया जाता था।)

इसलिए इस शास्त्र के अनुवाद में अनवादकों के लिये प्रभावशाली संतार का अत्यन्त महत्व रहा है। परन्तु संतार की इस इच्छा ने "परिशुद्धता" की महत्व को कम नहीं किया। लेकिन परिशुद्धता का अर्थ यह समझा गया है कि विचारों को विश्वसनीय ढंग से व्यक्त किया जाये, न कि उनकी रुपात्माक विशेषताओं का यथार्थ सामंजस्य किया जाये।

धर्मशास्त्र के लेखकों ने, विशेषकर नया नियम की रचना करने वालों ने, भाषा तथा शैली का प्रयोग करते समय उत्तम संचार का विशेष ध्यान रखा है। ये अनुवाद को तैयार करने में भी इस बात को ध्यान मे रखा गया है। और इसलिए ऐसी भाषा बोलने वालों के सामने शास्त्रों के सत्य अपने को पूरी तरह प्रकट कर सकें।

इस रुपान्तर में कई विशेषताओं का प्रयोग हुआ है जिससे समझने में पूरी सुविधा का अनुभव हो। पुस्तक मे प्रयोग किये गये कठिन तथा अस्पष्ट शब्दों के तुरन्त बाद अक्सर संक्षिप्त व्याख्या या समानार्थ देखने को मिलते है। इन व्याख्यात्मक शब्दों को कोष्ठक सहित नियर्गाक्षरों में लिखा गया है। जिन शब्दों या मुहावरों में विस्तृत स्पष्टीकरण की अपेक्षा होती है, उनको तारक चिन्हों का प्रयोग करके पृष्ट के अन्त में फुटनोटों द्वारा समझाया गया है। इस के अतिरिक्त शास्त्रीय उदाहरणों की पहचान तथा परिवर्तित पठन भी कभी कभी फुटनोटों द्वारा दिये गये है।

दक्षिण की ओर से कुरिन्थुस की खुदाई, कुरिन्थुस